"प्रदुषण" को परिभाषित किजिए प्रदुषकों के कौन कौन से प्रकार है। वर्णन किजिए।

प्रदुषक का अर्थ एवं परिभाषा

पर्यावरण जैव व अजैव संघटकों से निर्मित है। जिसमे सभी संघटक संतुलित दशा मे रहते है यदि इन संघटको का कोई परिवर्तन होता है। लेकिन जब परिवर्तन इस सीमा तक हो जाय कि उसकी सहन शक्ति के बाहर हो जाये तथा यह पर्यावरण अवनयन इतना अधिक हो जाता है। कि पौधे जीव जन्तुओं और मानव प्राणघातक प्रदुषण का आशय है।

परिभाषाएँ –

पर्यावरण के किसी भी तत्व के भौतिक रसायनिक अथवा जैविक विशेषताओ मे कोई ऐसा परिवर्तन जो मानव या अन्य प्राणियों के लिए हानिकारक है। वह पर्यावरण प्रदुषण कहलाता है।

प्रो- (डा०) ~~सविन्द्र~~ जगदीश सिंह (1991)

पर्यावरण के प्रदुषण उसे कहते है जो मनुष्य के वाच्छित या अवाच्छित कार्यो द्वारा प्राकृतिक पारिस्थितिक तन्त्र मे इतना अधिक परिवर्तन हो जाता है। कि वह उसकी (पारिस्थितिकी) तन्त्र सहन शक्ति से अधिक हो जाता है। आवश्यकता से अधिक ह्रास होने से मानव समाज पर दूरगामी हानिकारक प्रभाव पड़ने पड़ता है।

प्रो०(डा०) सविन्द्र सिंह (1991)

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

"पर्यावरण प्रदूषण उस दशा को कहते है। जब मानव द्वारा पर्यावरण मे विभिन्न तत्वो एवं ऊर्जा का इतनी अधिक मात्रा मे संग्रह हो जाता है। कि पारिस्थितिक तन्त्र द्वारा आत्मसात करने की क्षमता से अधिक हो जाती है।

डा० आर आई दासमैन (1978)

" पर्यावरण प्रदूषण उस दशा को कहते है। जब मानव द्वारा पर्यावरण मे विभिन्न तत्वो एवं ऊर्जा जो मनुष्य द्वारा अनचाहे उत्पादित किये गये है। जिनके उत्पादन का उद्देश्य अब समाप्त हो गया हो जो अचानक बच निकले हो या जिनका मानव के स्वास्थ्य पर अकथनीय हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

– लार्ड कैनेट

प्रदूषक व उसके प्रकार

(क) प्रत्यक्ष प्रदूषक – इसके अन्तर्गत चिमनियो से निकले धुम्र परिवहन यानो से निकला धुम्र घरो व कारखानो से निकाला वाहित मल ग्रामो व नगरो के निकट सकलित कूड़ा करकट खाद मानव व पशुओ के मलमूत्र औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थ इत्यादि आते है

(ख) अप्रत्यक्ष प्रदूषण – इसके अन्तर्गत सभी प्रकार के कीटनाशक व शाकनाशी दवाएँ रेडियोधर्मी पदार्थ विविध बैक्टीरिया इत्यादि आते है। अपराध भ्रष्टाचार इत्यादि

जैसे – सामाजिक अपराध इसी के अन्तर्गत आते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

प्रदुषको की प्रकृति के आधार पर प्रदुषक निम्नलिखित 3 प्रकार के होते है।

(1) तरल प्रदुषक – इसके अन्तर्गत तेल खनिज तेल ग्रीस जल मे घुला ठोस पदार्थ जल मे घुला अमोनिया कारबोनेड्स यूरिया नाइट्रेट क्लोराइड फलोराइड कीटनाशक इत्यादि आते है।

(2) ठोस कण प्रदुषक – इसके अन्तर्गत शीशा पारा एसबेस्टस स्थरोसाल इत्यादी आते है।

(3) गैसीय प्रदुषक – इसके अन्तर्गत क्लोरोफ्लूरो कार्बन हेलोन कार्बन डाई-आक्साइड इत्यादि आते है।

सयुक्त राज्य अमेरिका के मसेचुसेट्स इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी ने कई प्रकार के प्रदुषको के बताया है जिनमे से कुछ प्रमुख प्रदुषक निम्न लिखित है।

(1) प्रदुषक – (1) कार्बन डाई-आक्साइड (2) कणिकीय पदार्थ (3) सल्फर डाई आक्साइड वस्तुएँ (4) नाइट्रोजन के आक्साइड (5) सीमा पारा आर्सेनिक निकेल मैगनीज इत्यादि जहरीली भारी वस्तुएँ (6) तेल (7) क्लोरीनेटेड हाइड्रोकार्बन यथा डी.डी.टी. (8) अन्य हाइड्रोकार्बन (9) रेडियो न्यूक्लाइड्स (10) ऊष्मा (11) पोषक तत्व

प्रदुषक के स्रोत – पर्यावरण को प्रदुषित करने वाले प्रदुषक निम्नलिखित स्रोतो से प्राप्त होते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

(1) प्राकृतिक स्त्रोत – ज्वालामुखी धूल रेत बाढ़ जल आवसाद इत्यादि प्रदुषक प्राकृतिक स्त्रोत से उत्पन्न होते हैं।

(2) औद्योगिक स्त्रोत – कार्बन डाई आक्साइड सल्फर डाइ आक्साइड हाइड्रोकार्बन जहरीली गैस अपशिष्ठ पदार्थ इत्यादि औद्योगिक स्त्रोत से पैदा होते हैं।

(3) कृषि स्त्रोत – रसायनिक उर्वरक कीटनाशक खरपतवारनाशक रसायन आदि कृषि स्त्रोतो से प्राप्त होता है

(4) नगरीय स्त्रोत – मल जल ठोस अपशिष्ठ पदार्थ कूड़ा करकट इत्यादि प्रदुषको के स्त्रोत नगर है।

(5) जनसंख्या स्त्रोत – निर्धनता बेरोजगारी व्यभिचार दंगा अपराध इत्यादि प्रदुषक जनसंख्या उत्पन्न होते हैं

पर्यावरण प्रदुषण के कारण

(1) पर्यावरण स्वयं प्रदुषण उत्पन्न करता है। जिस पर मानव का नियंत्रण होता ही नही अथवा कम होता है।

(2) औद्योगिकी इकाइयो से बाहित तरल पदार्थ नदियो मे छोड़ा गया अपशिष्ट पदार्थ तथा वायुमण्डल मे गैसो के फेके जाने से प्रदुषण उत्पन्न होता है।

(3) कृषि कार्यो मे जानकरी के मतलब से पर्यावरण प्रदुषित होता है।

(4) नगरो मे गन्दी बस्तियाँ सामाजिक समस्याएँ उत्पन्न करती है। तथा मानव पर्यावरण को प्रदुषित करते है। भारत मे गरीबी और अल्प विकास प्रदुषणजन्य मुख्य समस्याएँ है।

(5) अणु बमो के परीक्षण से वायुमण्डल प्रदुषित होता जा रहा है

30/9/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया